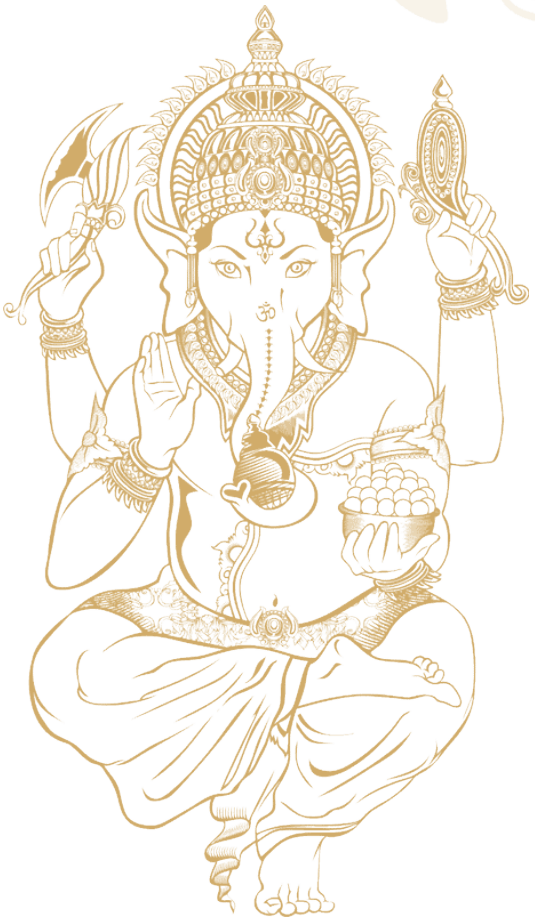

Hari om

10 Dec 1986

03:54 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121846803

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**9-10/12/1986**
दिन	मंगल-बुधवार
जन्म समय	**03:54:00 घंटे**
इष्ट	52:09:17 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	03:32:52 घंटे
वेलान्तर	00:07:48 घंटे
साम्पातिक काल	08:46:19 घंटे
सूर्योदय	07:02:17 घंटे
सूर्यास्त	17:24:24 घंटे
दिनमान	10:22:07 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	23:52:57 वृश्चिक
लग्न के अंश	12:37:16 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**उ०भाद्रपद - 3**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	व्यतिपात
करण	तैतिल
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सिंह
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	झ-झनक
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	12:37:16	310:06:56	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	बुध	---
सूर्य			वृश्चि	23:52:57	01:00:58	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	मंगल	मित्र राशि
चंद्र			मीन	13:02:41	12:43:35	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	राहु	सम राशि
मंगल			कुंभ	15:45:34	00:41:19	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	सम राशि
बुध			वृश्चि	06:11:59	01:24:49	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	बुध	सम राशि
गुरु			कुंभ	20:56:50	00:06:07	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	सम राशि
शुक्र			तुला	14:43:56	00:28:35	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	केतु	मूलत्रिकोण
शनि		अ	वृश्चि	19:09:23	00:07:06	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	केतु	शत्रु राशि
राहु			मीन	25:33:46	00:00:48	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	सम राशि
केतु			कन्या	25:33:46	00:00:48	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	शत्रु राशि
हर्ष			वृश्चि	28:35:38	00:03:38	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	---
नेप			धनु	11:11:11	00:02:11	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	---
प्लूटो			तुला	15:08:39	00:02:01	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	केतु	---
दशम भाव			कर्क	15:28:17	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:40:23

लग्न-चलित

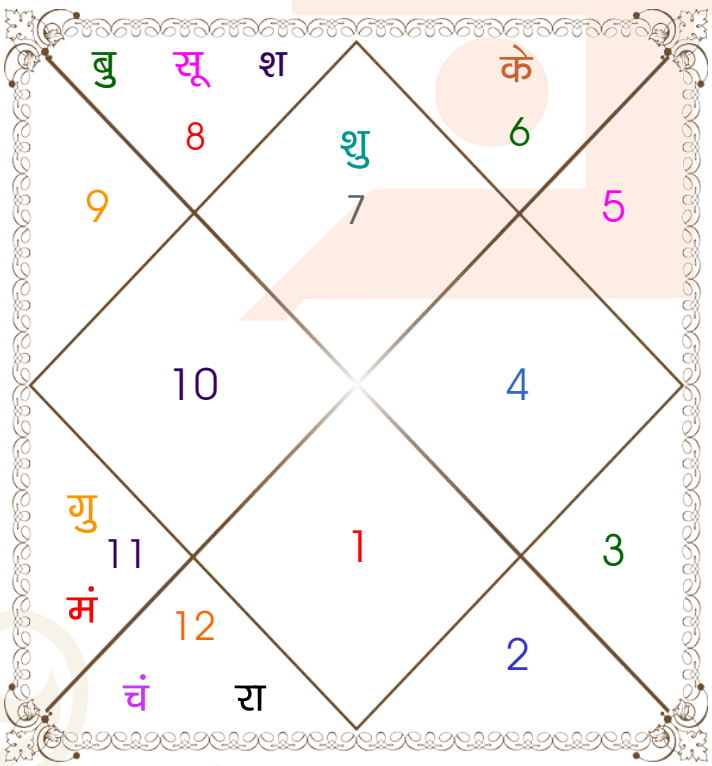

चन्द्र कुंडली

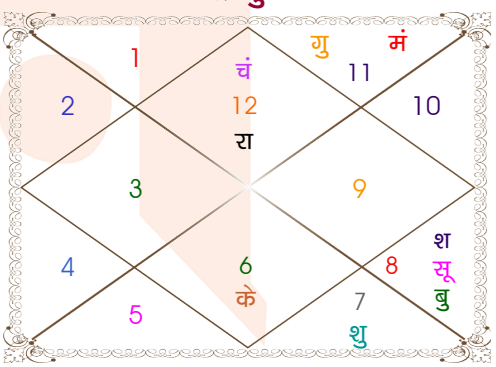

नवमांश कुंडली

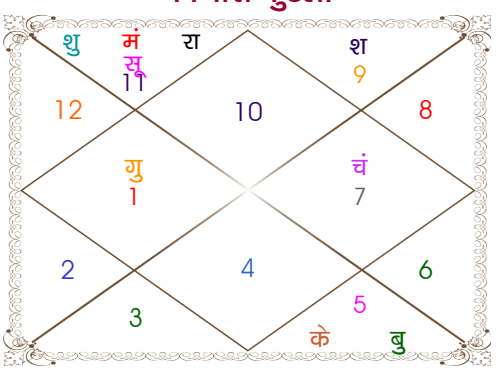

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 5 वर्ष 1 मास 28 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
10/12/1986		07/02/1992		06/02/2009		07/02/2016		07/02/2036	
07/02/1992		06/02/2009		07/02/2016		07/02/2036		06/02/2042	
	00/00/0000	बुध	05/07/1994	केतु	05/07/2009	शुक्र	08/06/2019	सूर्य	26/05/2036
	00/00/0000	केतु	03/07/1995	शुक्र	04/09/2010	सूर्य	08/06/2020	चंद्र	25/11/2036
	00/00/0000	शुक्र	03/05/1998	सूर्य	10/01/2011	चंद्र	06/02/2022	मंगल	02/04/2037
	00/00/0000	सूर्य	09/03/1999	चंद्र	11/08/2011	मंगल	08/04/2023	राहु	25/02/2038
	00/00/0000	चंद्र	07/08/2000	मंगल	07/01/2012	राहु	08/04/2026	गुरु	14/12/2038
	00/00/0000	मंगल	05/08/2001	राहु	25/01/2013	गुरु	07/12/2028	शनि	26/11/2039
	10/12/1986	राहु	22/02/2004	गुरु	01/01/2014	शनि	07/02/2032	बुध	01/10/2040
राहु	27/07/1989	गुरु	30/05/2006	शनि	10/02/2015	बुध	08/12/2034	केतु	06/02/2041
गुरु	07/02/1992	शनि	06/02/2009	बुध	07/02/2016	केतु	07/02/2036	शुक्र	06/02/2042

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
06/02/2042		07/02/2052		07/02/2059		06/02/2077		06/02/2093	
07/02/2052		07/02/2059		06/02/2077		06/02/2093		00/00/0000	
चंद्र	08/12/2042	मंगल	05/07/2052	राहु	20/10/2061	गुरु	27/03/2079	शनि	10/02/2096
मंगल	09/07/2043	राहु	23/07/2053	गुरु	14/03/2064	शनि	08/10/2081	बुध	20/10/2098
राहु	07/01/2045	गुरु	29/06/2054	शनि	19/01/2067	बुध	13/01/2084	केतु	29/11/2099
गुरु	09/05/2046	शनि	08/08/2055	बुध	08/08/2069	केतु	19/12/2084	शुक्र	29/01/2103
शनि	08/12/2047	बुध	04/08/2056	केतु	26/08/2070	शुक्र	20/08/2087	सूर्य	11/01/2104
बुध	08/05/2049	केतु	01/01/2057	शुक्र	26/08/2073	सूर्य	08/06/2088	चंद्र	12/08/2105
केतु	07/12/2049	शुक्र	03/03/2058	सूर्य	21/07/2074	चंद्र	08/10/2089	मंगल	21/09/2106
शुक्र	08/08/2051	सूर्य	09/07/2058	चंद्र	20/01/2076	मंगल	13/09/2090	राहु	11/12/2106
सूर्य	07/02/2052	चंद्र	07/02/2059	मंगल	06/02/2077	राहु	06/02/2093		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 5 वर्ष 2 मा 16 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के द्वितीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुला लग्न के उदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मकर नवमांश एवं कुंभ का द्रेष्काण भी उदित था। जो आपके लिए विशिष्ट प्रकार का सौभाग्य प्राप्ति का संकेत प्रदान कर रहा है। इसके प्रभाव से आपके जीवन में स्वास्थ्य, आरोग्य, धन एवं वासनात्मक सुखों से युक्त सुसज्जित जीवन का संकेत प्राप्त होता हैं।

आपका संपूर्ण जीवन सुव्यवस्थित एवं आनन्द से परिपूर्ण रूप से व्यतीत होगा। चाहे जो कुछ भी हो आप मात्र इसी संबंध में अन्वेषण करती रहती हो कि सुखी जीवन व्यतीत करने के लिए किस प्रकार क्या कार्य किया जाए-ताकि काफी लाभ हो, तथा आरामदायक जीवन यापन हेतु अन्य लोगों पर अपना प्रभाव डाला जाए। आप धनोपार्जन कर मित्रों की प्रसन्नता एवं भरण-पोषण देखभाल के साथ-साथ अपना वैवाहिक जीवन भी आनन्दपूर्वक व्यतीत करना चाहती हैं।

आप अपने पति की सभी बातें मानेंगी। आप अपने पति के साथ संभोगात्मक प्रदर्शन हेतु प्रेम संबंधित वृष्टि करती रहेंगी। आप सदैव दूसरों की दृष्टि के संबंध में कुछ बढ़ा-चढ़ा कर बातें करेंगी। लेकिन आप में नितांत संमोहक गुण विद्यमान है। आप सुंदरता का मूल्यांकन अपनी पसंद से करने में बहुत पसंदीदा महिला हैं।

आपकी आवासीय साज-सज्जा उपयुक्त है ऐसा संदेह है। आप सदैव अच्छी प्रकार सुंदर चीजों को देखना चाहती हैं। आप ऐसा चाहती हैं कि आपका घर अच्छी साज-सज्जाओं से सुसज्जित रहे तथा छोटी-छोटी कलात्मक वस्तुएं घर की शोभा बढ़ाकर विशिष्ट प्रकार से दृश्य हो। यह कोई महत्त्व की बात नहीं कि उन वस्तुओं की कीमत क्या है। आप इन सभी कार्य को करने के लिए समर्थ हैं क्योंकि आप धनी हों आप इन चीजों के मूल्य में किसी प्रकार की कटौती नहीं करना चाहती। आप अपनी वैचारिक योजना के अनुरूप अपनी कुशाग्रबुद्धि के अनुसार कार्य को पूर्ववत् करना चाहती हैं। आप एक शिक्षित महिला की तरह उद्यमपूर्वक अधिक मात्रा में इन वस्तुओं को प्राप्त करना चाहती हैं। मुख्यतः आपके जीवन को 30 वें वर्ष से 35 वें वर्ष के मध्य आपका समय लाभप्रद रहेगा।

आपको विश्वास है कि आपका भविष्य दर्शनीय होगा। अतएव आप ऐसा अनुभव करती हैं कि समन्वित साहसिक प्रयास से घरेलू वातावरण दर्शनीय हो जाएगा। आप अपने पसंदीदा मित्रों की नजरों में अथवा उनके दृष्टिकोण से शक्ति संपन्न दृश्य होना चाहती है। यह प्राप्त करना तब ही संभव है कि आप अपने कर्म व्यवसाय का संपादन बिना किसी भी संक्षिप्ता, भय अथवा आशंका की बिन्दु मात्र के ही करे तब ही संभाव्य है।

आप अपने जीवन के आध्यात्मिक पक्ष को बिना अदृश्य किए अर्थात् बिना महत्वहीन किए प्रायः सभी पक्ष से संभाव्य सफलता के लिए चिंतित एवं प्रयत्नशील रहेंगी। आप अपने अतिरिक्त समय में आध्यात्मिक दर्शन के संबंध में शिक्षा प्राप्त कर प्रदर्शित करना चाहती हैं। आप कतिपय परोपकारी कार्य संपादन कर अपने मित्रों एवं भाईयों को सहयोग प्रदान

करेंगी।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परंतु इसका अर्थ यह नहीं है कि आप संभाव्य कतिपय रोगादि के प्रति सावधानी नहीं बरतें यथा मूत्र विकार, एकज्मिा, फोड़े फुन्सी। यद्यपि कुछ दिनों का आंशिक रोग है तथापि इन रोगों के प्रति भी सर्तकता बरतनी चाहिए।

कुछ असंभावित रोगों के प्रति घटना क्रमानुसार समय-समय पर रोग परीक्षण एवं समयानुकूल भोजनादि पर ध्यान देना चाहिए।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

यदि आप अपने व्यवहार हेतु अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक का प्रयोग करें, तो यह दिन आपके लिए लाभकारी प्रमाणित होगा। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक किसी भी दशा में अव्यवहृत हैं।

आपके लिए रंग हरा एवं पीला रंग अनुकूल नहीं है। परंतु आपके लिए स्पष्ट रूप से नारंगी, लाल, उजला रंग अत्याधिक लाभप्रदायक रंग है।